अखिल भारतीय भगवत गीता महासम्मेलन का शुभारंभ हुआ ।

'भगवत गीता सुखमय जीवन व संसार निर्माण का परमात्म संदेश है'--माननीय राज्यपाल

'आध्यात्मिकता एवं राजयोग से ही होगी नकारात्मकता और बुराईओं का अंत'-- उप मुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी

पटना, 25 नवम्बर : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आज शाम को स्थानीय गांधी मैदान के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में 'परमात्म श्रीमत द्वारा सतयुगी पावन विश्व की पुनः स्थापना' विषय पर अखिल भारतीय भगवत गीता महासम्मेलन का भव्य उद्घाटन हुआ।

बिहार के राज्यपाल श्री फागु चौहान जी अपने उद्घाटन उदबोधन में कहा की आज की संघर्ष, तनाव और दुख अशांति समय में ऊंच जीवन मूल्य और जीवन दर्शन से परिपूर्ण भगवत गीता बहुत ही प्रासंगिक और आवश्यक है।

उन्होंने समग्र मानवता और विश्व को स्वस्थ और सुखमय दिशा व दशा प्रदान करने वाली भगवत गीता को एक उच्च कोटि के विज्ञान और कला बताते हुए कहा कि यह कोई एक धर्म या संप्रदाय का शास्त्र नही है, अपितु पूरे विश्व को शांति, सदभावना, सहयोग, एकता और भाईचारा का संदेश देने वाली एक सार्वभौम व सार्वजनिक मार्ग दर्शिका है ।

उन्होंने आगे कहा कि, ब्रह्मा कुमारी संस्था द्वारा, भगवत गीता ज्ञान एवं गीता वर्णित राजयोग को जीवन में अपनाने का सहज और सरल विधि, पूरे दुनिया में दी जा रही है। जो कि अति सराहनीय है, क्योंकि न केवल यह संस्था भारतीय मूल्यों, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा को विश्व में फैला रही है, साथ साथ वे स्वस्थ-सात्विक जीवन शैली और राजयोग ध्यान के सामूहिक प्रक्रिया द्वारा विश्व शांति, वसुधैव कुटुम्बकम एवं स्वच्छ वैशिक वातावरण को बढ़ावा दे रही है।

गीता सम्मेलन के प्रेरणा श्रोत तथा ब्रह्मा कुमारी संस्था के मुख्य प्रवक्ता राजयोगी बी के बृजमोहन जी ने कहा की भगवत गीता सर्व मनुष्य आत्माओं के रूहानी पिता निराकार परमपिता परमात्मा की श्रीमत यानी श्रेष्ठ मत है, जो उनके साकार माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा के द्वारा आज की कलियुग के अंतिम चरण पर, पथ भ्रष्ठ और कर्म भ्रष्ठ मानव एवं प्रदूषित विश्व को परिवर्तन करने और एक शुद्धपूत, पवित्र और सुख शान्ति मय सतयुगी संसार रचने हेतु दी जा रही है।

इससे पहले, बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी जी ने विशेष अतिथि के रूप में कहा कि आध्यात्मिकता कोई धर्म-संप्रदाय विशेष के नही है। अपितु सभी धर्मो में सिखाये जाने वाली

और जीवन में धारण किए जाने वाले मानवीय मूल्यों की समावेश है। उन्होंने कहा कि, आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग की अभ्यास से ही हमारे अंदर की बुराइयों और नकारात्मकता के ऊपर विजय प्राप्त की जा सकती है।

इल्लाहवाद से पधारी, ब्रह्मा कुमारी संस्था के धार्मिक प्रभाग प्रभारी राजयोगिनी मनोरमा जी ने कहा कि परमात्मा द्वारा सृष्टि पर पावन सतयुगी दुनिया बसाने की यही संगम की समय है, जब कलियुग के अन्य और सतयुग का आदि , दोनों युग का संधि काल है, जो अभी चल रहा है ।

दिल्ली से आए, ब्रह्मर्षि गौरीशंकराचार्य जी ने भी आज की समय को ही परमात्मा द्वारा कलियुग परिवर्तन और सतयुग पुनः स्थापना का सन्धि युग यानी आत्मा परमात्मा मिलन का कल्याणकारी संगम युग वताया।

दिल्ली से पधारे उर्दू के विद्वान एवं सर्व धर्म संयोजक डॉ फ़िरोज़ बख्त अहमद ने बताया कि रूहानी चिंतन, दृष्टिकोण और आचरण ही विश्व से नफरत, हिंसा, दुख, अशांति और अस्थिरता का माहौल को बदल सुख शांति, अमन और विश्व वन्धुत्व की परिवेश ला सकता है, जिस दिशा में ब्रह्मा कुमारी संस्था उलेखनीय भूमिका निभा रही है।

जबलपुर से गीता विषारद डॉ पुष्वा पांडे जी ने भगवत गीता में उलेख ईश्वरीय ज्ञान एवं राजयोग ध्यान उपयोगिता की मनोवैज्ञानिक तल पर विश्लेषण किया और कहा कि गीता ज्ञान और राजयोग से ही विश्व के अनेक सामाजिक, व्यावसायिक, राजनैतिक, प्रशासनिक एवं जलवायु परिपर्तन समस्याओं का समाधान प्राप्त हो सकता है।

सम्मेलन की मुख्य संयोजिका राजयोगिनी बी के संगीता जी ने कहा कि यह सम्मेलन का अगला चरण, भवानी टोला पर कल होग।

बी के संगीता
पटना सव जोन प्रभारी

2nd Day
प्रेस विज्ञप्ति

अखिल भारतीय भगवत गीता महासम्मेलन सम्पर्ण हुआ।

'भगवत गीता सुखमय संसार बनाने का परमात्म योजना है'--भाई वीरेंद्र

'आध्यात्मिकता एवं राजयोग से ही होगी नकारात्मकता और बुराईओं का अंत'--बृजमोहन भाई

भवानी टोला (मनेर), 26 नवम्बर : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आज स्थानीय मंदिर यज्ञशाला परिसर में 'परमात्म श्रीमत द्वारा सतयुगी पावन विश्व की पुनः स्थापना' विषय पर अखिल भारतीय भगवत गीता महासम्मेलन सम्पर्ण हुआ ।

कल शाम को बिहार के राज्यपाल श्री फागु चौहान जी के द्वारा इस दो दिवसीय महासम्मेलन का उद्घाटन पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में हुआ था।

भवानी टोला स्थानीय विधायक भाई भवानी जी इस सम्मेलन की समापन सत्र को आज दोपहर में संबोधित करते हुए कहा की ऊंच जीवन मूल्य और जीवन दर्शन से परिपूर्ण भगवत गीता बहुत ही प्रासंगिक है, और मानव जीवन एवं समग्र विश्व को सुखमय बनाने हेतु नितांत आवश्यक है।

दिल्ली से पधारे ब्रह्मश्रि स्वामी गौरीशंकराचार्य जी अपने वक्तव्य में कहा कि समग्र मानवता और विश्व को स्वस्थ और सुखमय दिशा व दशा प्रदान करने वाली भगवत गीता को एक ऊंच कोटि के विज्ञान और कला है । उन्होंने कहा कि यह कोई एक धर्म या सम्प्रदाय का शास्त्र नही है, अपितु पूरे विश्व को शांति, सदभावना, सहयोग, एकता और भाईचारा के सूत्र में बांधने वाली तथा मानव मन, संबंध, सम्पदा एवं कर्तव्य प्रबंधन कराने वाली एक सार्वभौम व सार्वजनिक आचार संहिता है।

हैदराबाद उर्दू विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ फ़िरोज़ अहमद ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था ही गीता वर्णित ईश्वरीय ज्ञान एवं राजयोग ध्यान को जीवन में अपनाने का सहज और सरल विधि, पूरे दुनिया में दे रही है, जो कि अति सराहनीय है । क्योंकि न केवल यह संस्था भारतीय मूल्यों, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा को विश्व में फैला रही है, साथ साथ वे स्वस्थ-सात्विक जीवन शैली और राजयोग ध्यान के सामूहिक प्रक्रिया द्वारा विश्वशांति, वसुधैव कुटुम्बकम एवं स्वच्छ वैशिक वातावरण को बढ़ावा दे रही है।

गीता सम्मेलन के प्रेरणा श्रोत तथा ब्रह्माकुमारी संस्था के मुख्य प्रवक्ता राजयोगी बी के बृजमोहन जी ने कहा की भगवत गीता सर्व मनुष्य आत्माओं के रूहानी पिता निराकार परमपिता परमात्मा की श्रीमत यानी श्रेष्ठ मत है, जो उनके साकार माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा के द्वारा आज की कलियुग के अंतिम चरण पर, पथ भ्रष्ठ और कर्म भ्रष्ठ मानव एवं प्रदूषित विश्व को परिवर्तन करने और एक शुद्धपूत, पवित्र और सुख, शान्ति मय सतयुगी संसार रचने हेतु दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता कोई एक धर्मसंप्रदाय के ग्रंथ नही है । अपितु सभी धर्मो मैं सिखाये जाने वाली और जीवन में धारण किए जाने वाले मानवीय मूल्यों की समावेश है।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान और सहज राजयोग की अभ्यास से ही हमारे अंदर और समाज में व्याप्त विकार, बुराइयों और नकारात्मकता का अंत हो सकता है।

इलाहाबाद से पधारी, ब्रह्माकुमारी संस्था के धार्मिक प्रभाग प्रभारी राजयोगिनी मनोरमा जी ने कहा कि परमात्मा द्वारा सृष्टि पर पावन सतयुगी दुनिया बसाने की यही संगम की समय है, जब कलियुग के अन्य और सतयुग का आदि , दोनों युग का संधि काल है, जो अभी चल रहा है । इसलिए यही अवसर है कि परमात्मा के द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्था के माध्यम से दी जा रही ईश्वरीय ज्ञान और योग को अपनाकर पूरे कल्प के लिए हम अपनी ऊंच भाग्य बना लें।

ब्रह्माकुमारी संस्था के पटना उप जोन के वरिष्ठ भ्राता राजयोगी बी के रविन्द्र जी ने भी आज की समय को परमात्मा द्वारा कलियुग परिवर्तन और सतयुग पुनः स्थापना का सन्धि युग यानी आत्मा परमात्मा मिलन का कल्याणकारी संगम युग वताया, जिस समय हम परमात्म ज्ञान और योग द्वारा साधारण पुरूष से उत्तम पुरुष तथा मानव से देव बन सकते हैं।

दिल्ली से पधारे भारत सरकार के लेखा अधिकारी श्री वेद प्रकाश जी ने बताया कि रूहानी चिंतन, दृष्टिकोण और आचरण ही विश्व से नफरत, हिंसा, दुख, अशांति और अस्थिरता का माहौल को बदल सुख, शांति, अमन और विश्व वन्धुत्व की परिवेश ला सकता है, जिस दिशा में ब्रह्माकुमारी संस्था उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है।

जबलपुर से गीता विषारद डॉ पुष्वा पांडे जी ने भगवत गीता में वर्णित ईश्वरीय ज्ञान एवं राजयोग ध्यान के बहु आयामी उपयोगिता को मनोवैज्ञानिक तल पर विश्लेषण किया, और कहा कि गीता ज्ञान और राजयोग से ही विश्व के अनेक सामाजिक, व्यावसायिक, राजनैतिक, प्रशासनिक एवं जलवायु परिवर्तन आदि समस्याओं का का सहज समाधान प्राप्त हो सकता है।

सम्मेलन की मुख्य संयोजिका तथा ब्रह्मा कुमारी संस्था के पटना उप जोन प्रभारी राजयोगिनी बी के संगीता जी ने कहा कि इस प्रकार कि गीता सम्मेलन एक अभियान के रूप में समस्त बिहार में चलाई जाएगी, ताकि पूरे विहार के निवासी गीता ज्ञान और योग से अपने जीवन और विहार में सच्ची सुख, शांति, समृद्धि का बहार ला सके।

बी के संगीता
पटना सव जोन प्रभारी
boringroad.pat@bkivv.org